



इस  
संसार को  
बेहतर  
बनाने का  
उत्तरदायित्व  
तुम्हारा है

 BRAHMA KUMARIS



प्रकृति को  
अपना मित्र  
बनाओ,  
प्रकृति और  
स्वयं के समीप  
रहो तो  
परमात्मा के  
समीप रहोगे

 BRAHMA KUMARIS



निर्भयता  
और शुभ  
आशाएँ ही  
जीवन को  
उन्नति के  
पथ पर ले  
जाने के  
साधन हैं

 BRAHMA KUMARIS



कर्मन्द्रियों पर  
पूरा  
अनुशासन ही  
सच्ची  
विजय है

 BRAHMA KUMARIS



हर  
परिस्थिति में  
सहनशील बनो  
तो मौज का  
अनुभव  
करते रहेंगे

 BRAHMA KUMARIS



स्वार्थ भाव  
से परे  
रहना ही  
परोपकारी  
बनना है

 BRAHMA KUMARIS



सुख शान्ति  
सांसारिक  
साधनों में नहीं,  
अपने सत्य  
स्वरूप को  
पहचानने में है

 BRAHMA KUMARIS



औरों की  
गलतियाँ  
क्षमा करना  
और  
भूलना ही  
महानता है

 BRAHMA KUMARIS



भोग से आत्मा  
का शोषण  
होता है  
त्याग से आत्मा  
का पोषण होता है



 BRAHMA KUMARIS



याद रखें कि  
आप बहुत  
विशेष हैं,  
आपको मिला  
हुआ कार्य  
आपसे अच्छा  
कोई नहीं  
कर सकता

 BRAHMA KUMARIS



दिव्यगुणों का  
श्रृंगार ही  
सच्चा है



 BRAHMA KUMARIS



सच्चाई और  
सादगी रूपी  
सुमन,  
मन मधुवन  
को सदा  
सुवासित  
रखते हैं



 BRAHMA KUMARIS



ईश्वर से बुद्धि  
लगाना ही  
ईश्वर का  
सहारा लेना है



 BRAHMA KUMARIS



संपत्ति एवं  
स्वास्थ्य से भी  
अधिक  
मूल्य मन की  
शान्ति का है



 BRAHMA KUMARIS



पहले सोचा  
फिर किया -  
यही ज्ञानी तू  
आत्मा का गुण है



 BRAHMA KUMARIS



भगवान से  
फरियाद करने  
के बदले  
उसे बार-बार  
याद करो



 BRAHMA KUMARIS



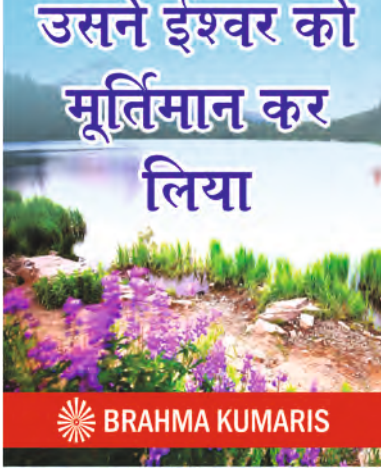
योगी तू आत्मा  
वह है जो सदा  
क्लीन और  
क्लीयर है



 BRAHMA KUMARIS



जिसने ज्ञान को  
आचरण में  
उतार लिया,  
उसने ईश्वर को  
मूर्तिमान कर  
लिया



 BRAHMA KUMARIS



समय का हार्न  
न सुनने से  
दुर्घटना  
होने की  
संभावना  
रहती है



 BRAHMA KUMARIS



संयम और  
नियम ही  
मनुष्य की  
शोभा है



 BRAHMA KUMARIS



हर कार्य में  
साहस को  
साथी बनाओ  
तो सफलता  
अवश्य मिलेगी



 BRAHMA KUMARIS



सबसे बड़ा  
ज्ञानी वह है  
जो  
आत्म-अभिमानि  
है



 BRAHMA KUMARIS



उपकार, दया  
और क्षमा  
ये मानव के  
परम कर्तव्य हैं



 BRAHMA KUMARIS



स्वभाव को  
सरल बनाओ  
तो  
समय व्यर्थ  
नहीं जायेगा



 BRAHMA KUMARIS



समय को  
नष्ट न कर  
श्रेष्ठ कार्य  
में लगाओ

✻ BRAHMA KUMARIS



सदा लक्ष्य  
रखें कि  
खुद को  
बदलकर औरों  
को बदलना है

✻ BRAHMA KUMARIS

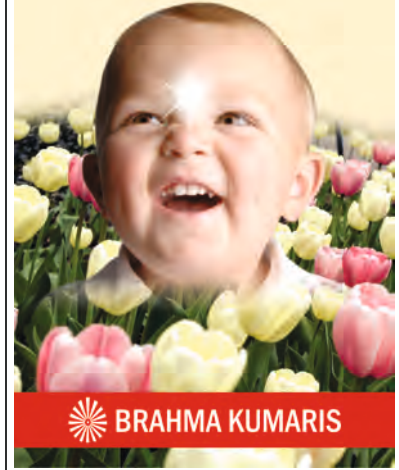


बदला नहीं  
लेना है बल्कि  
स्वयं को  
बदल कर  
दिखाना है

✻ BRAHMA KUMARIS



विघ्नों से डरो  
मत क्योंकि  
विघ्न ही आत्मा  
को बलवान  
बनाते हैं



✻ BRAHMA KUMARIS



सदा खुश  
रहो तो  
खुशनसीब  
बन जायेंगे

✻ BRAHMA KUMARIS



संयम और  
नियम ही  
मनुष्य की  
शोभा है

✻ BRAHMA KUMARIS



मनुष्य जीवन  
की महानता  
महान कर्म  
करने में है

✻ BRAHMA KUMARIS



मुस्कराना,  
संतुष्टता की  
निशानी है



✻ BRAHMA KUMARIS



परमात्मा पर  
संपूर्ण बलि चढ़ने  
वाले ही महाबली  
बनते हैं



BRAHMA KUMARIS



अनुशासन  
कायम करने  
के लिए स्वयं  
को अनु (छोटा)  
समझो



BRAHMA KUMARIS



वृत्ति को श्रेष्ठ  
बनाने से  
प्रवृत्ति  
स्वत : ही श्रेष्ठ  
बन जाती है



BRAHMA KUMARIS



सभी की  
चिंताओं को  
मिटानेवाले  
शुभचिन्तक  
बनो



BRAHMA KUMARIS



हरेक को  
सम्मान दो तो  
सम्मान प्राप्त  
होगा



BRAHMA KUMARIS



भगवान की  
महिमा करो तो  
पापकर्मों से  
निर्लिप्त रहेंगे



BRAHMA KUMARIS



दृष्टि को  
परिवर्तन करो  
तो  
सृष्टि स्वत :  
परिवर्तन हो  
जायेगी



BRAHMA KUMARIS



सदा हर घड़ी  
हर सेकण्ड  
परमात्मा की  
स्मृति में रहो



BRAHMA KUMARIS